राजस्थान फाउण्डेशन पत्रिका

सितम्बर - 2024

वार्षिक संस्करण

Rajasthan Foundation

Connecting Non-Resident Rajasthanis

माटी रौ सन्देश

राजस्थान खुशहाली के पथ पर अग्रसर

प्रवासी राजस्थानियों को अपनी माटी से जोड़े रखने का अनुपम प्रयास

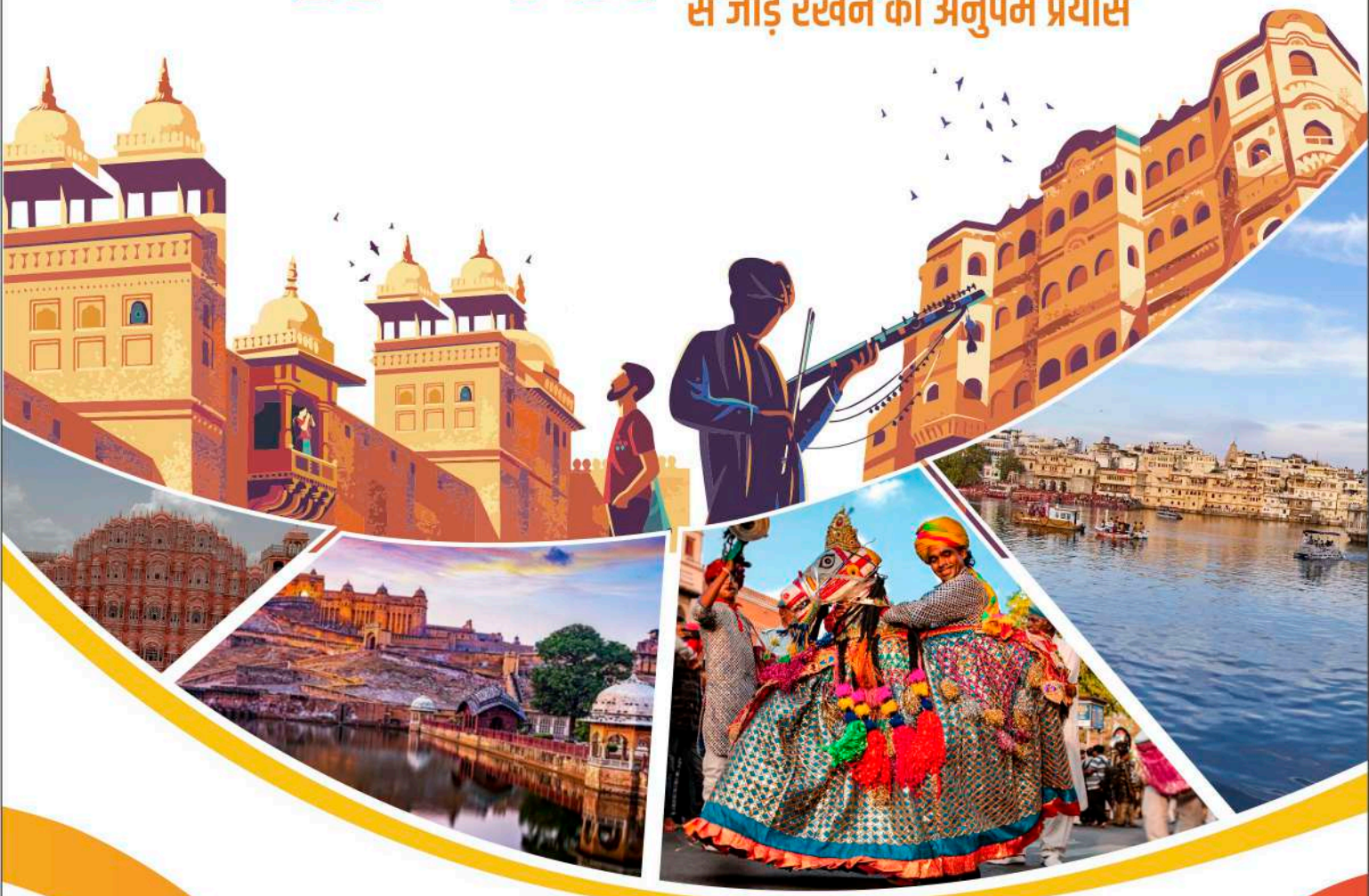

Scan me

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

डबल इंजन सरकार का संकल्प

मोदी की गारंटी हो रही साकार

"राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में उद्योगों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। राजस्थान को देश में अग्रणी औद्योगिक प्रदेश बनाने के साथ ही तीव्र औद्योगिक विकास के लिए निवेश प्रोत्साहन हेतु सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा।"

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

निवेश अनुकूल - उद्योग अनुकूल प्रदेश

ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस से व्यापारिक सुगमता एवं आर्थिक विकास

राजस्थान निवेश सम्मलेन का होगा आयोजन

रिप्स (RIPS) योजना में उद्यमियों को आकर्षक एवं एकीकृत प्रोत्साहन उपलब्ध

वेस्टर्न डीएफसी का 38% भाग राजस्थान में होने से निवेश की अपार सम्भावनाएं

पांच श्री राम जानकी औद्योगिक क्षेत्रों में ई-लॉटरी के माध्यम से 366 भूखंड आवंटन प्रक्रियाधीन

वन स्टॉप शॉप प्रणाली से 23 इकाइयों को 1375 करोड़ रुपए की निवेश अनुमति जारी

राजस्थान संवाद

सत्यमेव जयते

मुख्य मंत्री
राजस्थान

संदेश

प्रिय प्रवासी राजस्थानी बंधुओं

आप सभी का हार्दिक अभिनंदन। भले ही आप देश या विदेश किसी भी कोने में निवास करते हों, लेकिन आप सभी का हृदय मातृभूमि राजस्थान में बसता है। आपका अपनी जड़ों से यह जुड़ाव ही हमारी संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास की विशाल एवं अमूल्य घरोहर को संजोए हुए हैं।

आधुनिक राजस्थान विकास के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर है। हमारी सरकार प्रदेश में हर क्षेत्र के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है, भले ही वह कृषि हो, उद्योग हो, पर्यटन या शिक्षा हो या फिर स्वास्थ्य । हमारी कोशिश है कि राजस्थान न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से भी अग्रणी एवं समृद्ध बने।

आप सभी प्रवासी राजस्थानियों का राज्य के विकास में अभिन्न योगदान है। आपने अपने कौशल और प्रतिभा से न केवल देश का नाम रोशन किया है, बल्कि आप अपनी मिट्टी से दूर रहकर राजस्थान के विकास में निरंतर सहयोग भी दे रहे हैं। आपका हर आर्थिक सहयोग, सामांजिक कार्य और सांस्कृतिक पहल राजस्थान के नव निर्माण में मील का पत्थर बनकर काम करता है।

इन अटूट संबंधों को बेहतर बनाने के लिए और आपका मातृभूमि से जुड़ाव बनाए रखने के लिए राजस्थान फाउण्डेशन निरंतर प्रयासरत है। मरुधरा से जुड़ा कोई उत्सव हो या कोई संकट की घड़ी, प्रदेश की प्रगति हो या विकास की जानकारी, प्रत्येक अवसर पर राजस्थान फाउण्डेशन एक सेतु बनकर कार्य कर रहा हैं। राजस्थान फाउण्डेशन के नवाचारों ने आपके साथ संवाद को पहले की अपेक्षा बेहतर और आसान बनाया है और आपसी दूरियों को मिटाया है। हम विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा आपसे जुड़े रहने का लगातार प्रयास कर रहे हैं।

मुझे उम्मीद है कि इस न्यूज़लेटर के माध्यम से आपको राजस्थान के विकास एवं प्रगति की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी। आइए, आप और हम मिलकर राजस्थान को पहले से अधिक समृद्ध और गौरवशाली बनाएं।

शुभकामनाओं सहित

(भजन लाल शर्मा)

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, राजस्थान सरकार

प्रिय प्रवासी राजस्थानियों,

आप देश या विदेश के किसी भी कोने में निवास करते हों, राजस्थान की माटी की खुशबू हमेशा आपके दिल में बसी हुई है। ये वही मिट्टी है जिसमें खेलकर आप बड़े हुए। इसी मिट्टी ने आपको पाला-पोसा, सपने दिए और उन्हें उड़ान भरने की ताकत दी। आज मैं उद्योग मंत्री के नाते आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारा राजस्थान तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। राजस्थान अब उद्योग जगत में हो रही अभूतपूर्व प्रगति का गवाह बन रहा है।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि राज्य सरकार उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। जोधपुर में सहकार भारती एवं लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2024 हो या राजस्थान के खनिज पत्थर और इससे संबंधित उद्योगों को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना, राजस्थान सरकार प्रदेश में नवीन विचारों एवं नवाचार को लागू करने के लिए तैयार है।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही साथ निवेशकों को हर संभव मदद दी जा रही है। फिर चाहे वह टेक्सटाइल और हस्तशिल्प का आधुनिकीकरण हो, खनिज संपदा का सदुपयोग हो, पर्यटन को नया आयाम देना हो या इनोवेटिव स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना हो, प्रदेश सरकार हर क्षेत्र में निवेश के आकर्षक अवसर देने के लिए प्रवासियों के लिए अपने द्वार खोल रही है।

प्रौद्योगिकी में आपके निवेश की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए राजस्थान सरकार सदैव तत्पर है। राजस्थान फाउण्डेशन आपके एवं सरकार के बीच सेतु का काम कर रहा है। राजस्थान फाउण्डेशन आप सभी को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

आप सभी प्रवासी बंधुओं का योगदान, फिर चाहे वह निवेश के माध्यम से हो या अनुभव और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से, आगामी समय में राजस्थान को एक आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने में अहम भूमिका का निर्वहन करेगा।

आइए, हम साथ मिलकर अपने सुनहरे और रंगीले राजस्थान को प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्र में अधिक सुदृढ़ बनाएं, बेहतर कल का निर्माण करें।

शुभकामनाओं सहित

(कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़)

श्री अजिताभ शर्मा

प्रमुख शासन सचिव

उद्योग

प्रिय प्रवासी राजस्थानियों,

राजस्थान सरकार प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अब राजस्थान पहले से अधिक समृद्ध, आत्मनिर्भर और गौरवशाली बनने की दिशा में अग्रसर है। आपके निरंतर सहयोग और अथक प्रयास से हम इस लक्ष्य की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं।

आप हमेशा प्रवासी राजस्थानी समुदाय के रूप में राजस्थान की तरक्की और खुशहाली से जुड़े रहे हैं। आपने अपनी माटी और मातृभूमि के प्रति न केवल अपने कर्तव्य का निर्वहन किया, बल्कि विदेश में रहकर देश एवं राज्य के लोगों की यथा संभव सहायता भी की है, जिसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। तीज त्यौहार पर राजस्थान की संस्कृति को जागृत करने का अनूठा कार्य भी आप बखूबी कर रहे हैं। आने वाली युवा पीढ़ी से राजस्थान की संस्कृति, परंपरा और आदर्शों को साझा करने का सराहनीय कार्य भी आपके द्वारा किया जा रहा है।

प्रदेश के बाहर और खास तौर पर विदेशों में कई तरह के निस्वार्थ कार्यों से भी आप सभी राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आपका योगदान हमारे लिए हमेशा से प्रेरणा का स्रोत है। राजस्थान सरकार और राजस्थानी प्रवासियों के बीच के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए राजस्थान फाउण्डेशन एक सेतु की भूमिका निभा रहा है।

राजस्थान फाउण्डेशन हमेशा से अपने प्रवासी बंधुओं के साथ सदैव तत्परता से जुड़ा है। चाहे आप निवेश के अवसर तलाश रहे हों, व्यापारिक संपर्क स्थापित करना चाहते हों या अपनी जड़ों से जुड़ने की इच्छा रखते हों, हम इस यात्रा में आपके मार्गदर्शक और मित्र बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हम न केवल आपको राजस्थान सरकार के प्रयासों से अवगत कराते रहेंगे, बल्कि आपके सुझावों और विचारों को भी सभी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हम आपसे निरंतर जुड़े रहेंगे। ऐसा हमारा दृढ़ विश्वास है।

आइए, हम सभी मिलकर राजस्थान को पहले की अपेक्षा समृद्ध और पूर्ण आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहयोगी बनें। आपका साथ और सहयोग ही हमारी ताकत है।

शुभकामनाओं सहित

(श्री अजिताभ शर्मा)

डॉ मनीषा अरोड़ा

आयुक्त

राजस्थान फाउण्डेशन

प्रिय प्रवासी बंधुओं,

राजस्थान फाउण्डेशन के आयुक्त के रूप में आप से परिचित होने पर मुझे अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है। राजस्थान के प्रवासी, प्रदेश के राजदूत ही नहीं अपितु अपार गौरव भी हैं।

राजस्थान के प्रवासियों का इतिहास बहुत प्रबुद्ध रहा है। इस मरुधरा के प्रवासी अपने प्रदेश की आन, बान और शान के लिए हमेशा सक्रिय रहे हैं और इसी के परिणाम स्वरूप आप सभी देश विदेश में राजस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। जब भी प्रदेश पर कोई विपदा आई है व प्रदेश को आवश्यकता महसूस हुई है, प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बढ़ चढ़ कर किया है। मातृभूमि से दूर होते हुए भी आपका अपनी जड़ों से यह जुड़ाव ही हमारी संस्कृति व विरासत की अमूल्य धरोहर को संजोए हुए है।

राजस्थान सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमिता को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, साथ ही निवेशकों को हर संभव मदद दी जा रहीहै। राजस्थान को औद्योगिक और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने हेतु राइजिंग राजस्थान इनवैस्टमैंट समिट 2024 का आयोजन किया जा रहा है। 9 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक चलने वाले इस 3 दिवसीय ग्लोबल समिट में 10 दिसम्बर को हमारे प्रवासी समुदाय के लिए एक प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आप सादर आमंत्रित हैं।

आप चाहे कहीं भी रहें, आपके दिलों में अपने प्रदेश की संस्कृति और खुशबू हमेशा ऐसे ही बनी रहे, यही कामना करते हैं। विरासत, परम्परा और वैभव के साथ ही विकास के मार्ग पर आप हमारे साथ आगे बढ़ेंगे, यही हमारा विश्वास है।

हमें विश्वास है कि आने वाला समय राजस्थान प्रदेश व प्रवासी राजस्थानियों, दोनों के लिए समृद्धि व खुशहाली लेकर आएगा। प्रवासी राजस्थानी व राजस्थान प्रदेश एक दूसरे के पूरक है। इनकी समृद्धि व सम्पन्नता परस्पर एक साथ आगे बढ़ेगी। प्रवासी भाइयों की सहायता, माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान के विजन और निश्चय के कारण प्रदेश उन्नति के शिखर को छुएगा, ऐतिहासिक धरोहरों का यह प्रदेश प्रगति के नए अध्याय रचेगा।

जय हिन्द! जय राजस्थान!

(डॉ मनीषा अरोड़ा)

UNVEILING A NEW DAWN OF PROGRESS IN RAJASTHAN

In a prestigious ceremony at Ram Niwas Bagh in Jaipur, Shri Bhajan Lal Sharma, in the esteemed presence of Prime Minister Shri Narendra Modi and Governor Shri Kalraj Mishra, took the oath of Chief Minister of Rajasthan. The event, attended by Union Ministers and dignitaries from various states, marked the beginning of a new era in state governance.

Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi takes charge for third time

Shri Narendra Modi was sworn into office on 9th June at the Rashtrapati Bhavan in New Delhi alongside 71 union ministers of the National Democratic Alliance.

Shri Narendra Modi, 73, is only the second Indian leader to win a third consecutive term after the country's first prime minister, Shri Jawaharlal Nehru.

Several South Asian leaders attended the swearing-in ceremony, including Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina, Sri Lankan President Ranil Wickremesinghe, Nepalese Prime Minister Pushpa Kamal Dahal and Maldives President Mohamed Muizzu.

Prime Minister Modi and President Macron's Historic Blend of Camaraderie and Culture

Prime Minister Shri Narendra Modi and French President Mr. Emmanuel Macron's visit to Jaipur was a captivating fusion of history and camaraderie. The visit included the world leaders sharing masala tea at Sahu tea stall, preceded by an exploration of the UNESCO-listed Amber Fort. Their itinerary included a joint roadshow, a visit to the iconic Hawa Mahal and an enlightening tour of the historic Jantar Mantar. This remarkable day was a celebration of cultural exchange, solidifying the bonds of Indo-French friendship.

Rajasthan Industries and Commerce Minister at Vibrant Gujarat Global Summit

Rajasthan's Industries & Commerce Minister, Col. Rajyavardhan Singh Rathore attended the Vibrant Gujarat Global Summit 2024 from 10th to12 th January.

Buoyed by Gujarat's success in attracting investments and promoting trade, Col. Rathore articulated a steadfast vision to implement a parallel development strategy in Rajasthan.

Under the astute leadership of Hon'ble Chief Minister of Rajasthan Shri Bhajanlal Sharma, the state stands at the cusp of a transformative journey, positioning itself as a burgeoning industrial force.

Rajasthani Pride

Dr. Akshat Jain

Dr. Akshat Jain received appreciation by the City of Loma Linda. This is a clear demonstration of his unwavering dedication and relentless efforts. His inspiring achievements speak volumes about his commitment to advancing healthcare worldwide, especially in Rajasthan. Driven by a passion for alleviating Sickle Cell disease, he has dedicated himself to pioneering treatments and solutions. His steadfast efforts embody a profound commitment to improving healthcare in Rajasthan, offering hope and healing to those affected by this challenging disease.

Shri Madan Lal

Shri Madan Lal Raigar was appointed as the next Ambassador of India to the Republic of Congo. With extensive experience in important positions both in India and abroad, he made his home state, Rajasthan, proud.

Dr. Mayank Vats

Dr. Mayank Vats was honored with the distinguished accolade of "Best Pulmonologist of UAE" during the prestigious Annual Health Award ceremony in the UAE. This notable recognition was presented under the esteemed patronage of H.E. Sheikh Nahayan Mubarak Al Nahyan, a respected Cabinet Member and the Minister of Tolerance & Coexistence, UAE. The award acknowledges Dr. Vats's exceptional contributions and expertise in the field of pulmonology, showcasing his commitment to healthcare excellence.

Mrs. Sonal Purohit

Mrs. Sonal Purohit was awarded the Best Entrepreneur of the Year Award in the Arts and Interior category. Her innovative spirit and remarkable accomplishments earned her this prestigious award. The award ceremony was held in Dubai to recognize her as a deserving winner.

Padma Shri Awardees From Rajasthan

At 81 years, Shri Janki Lal Bhand, hailing from Bhilwara, was honoured with the prestigious Padma Shri award. Revered as a guardian of Bahurupiya art, he not only has preserved this rich tradition but has also illuminated it across more than 10 countries. A true maestro in the 'multi-faceted' art form, he skillfully portrays diverse characters, earning well-deserved recognition.

Dr. Maya Tandon, a distinguished recipient of the Padma Shri award from Rajasthan in 2024, has emerged as a beacon in road safety. Her impactful work has empowered over 1 lakh individuals, making a significant difference in the rescue of injured victims from road accidents. Her commitment to road safety stands as a shining example for us all.

At 93, the year 2024 Padma Shri recipient Dhrupad maestro Shri Laxman Bhatt Tailang has brought pride to Rajasthan with his remarkable contributions to Indian classical music. His commitment to teaching and insightful writings beautifully reflect our rich cultural heritage.

Shri Ali Mohammed and Shri Ghani Mohammed from Rajasthan were honored with the prestigious Padma Shri Award in the field of art for their notable achievements in (Maad) folk singing. Their exceptional contributions to this traditional art form is of great pride to Rajasthan and this esteemed award marks a significant moment in their distinguished careers.

Hunger Mitao: Rajasthan's Philanthropic Beacon Illuminating the Global Stage

Raj Gopal Asava, a proud Rajasthani residing in the United States for nearly five decades, has seamlessly blended his heritage with impactful philanthropy. After a distinguished career as the Chief Strategy Officer at Dell Services, his shift towards giving back resulted in the initiation of the HungerMitao movement alongside his wife, Aradhana. The movement, rooted in their Rajasthani roots, has become a global force, actively combating hunger and uniting the Indian American diaspora in this noble cause. In the wake of discovering hunger in seemingly affluent Plano, Texas, the Asava couple, deeply moved, partnered with the North Texas Food Bank (NTFB) to address the issue.

This collaboration laid the foundation for HungerMitao, launched in 2017 as a grassroots movement to raise awareness and mobilize resources to combat hidden hunger in the Indian American community.

Over six years, HungerMitao has facilitated close to 60 million nutritious meals through its partnership with Feeding America and its network of over 200 food banks across the United States. Inspired by the success of the movement, other communities, including the Chinese American and Hispanic/Latino communities, have adopted the model, further expanding its impact.

At its core, HungerMitao embodies collective action and community-driven volunteering, relying on passionate volunteers to drive change. Despite the challenges of sustaining and scaling impact, the movement's unique nature and the logical and diligent approach of the Indian American community to philanthropy have been pivotal.

Raj Gopal and Aradhana Asava's journey from discovering local hunger to mobilizing a global movement not only transforms lives but also establishes Rajasthan's legacy of generosity on a global stage. HungerMitao stands as a testament to the power of collective action, echoing Rajasthan's spirit of compassion across borders.

Pravasiyon Ki Kalam Se

अमित कुमार शर्मा

भारत के संविधान की मूल प्रति में हमारा राजस्थान

संविधान के 21वें भाग का नाम अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध है। यह पेज नंबर 168 पर है। इसमें रेगिस्तान का चित्रण है। दूर तक फैले रेगिस्तान के बीच ऊँटों का काफिला गुजरता नजर आता है। वास्तव में इस चित्र का उद्देश्य हमारी प्राकृतिक विविधता को दर्शाता है। संविधान की रचना में जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी के जनक माने जाने वाले राजस्थान के श्रीमाधोपुर तहसील के ग्राम मऊ निवासी और पद्मश्री दिवंगत कृपाल सिंह शेखावत का भारत के मूल संविधान के कला कार्य में विशेष योगदान रहा है। श्रीमाधोपुर के पद्मश्री दिवंगत कृपाल सिंह शेखावत की अहम भागीदारी है। मूल संविधान के भाग 1 (संघ और उसके राज्य क्षेत्र) के पहले पन्ने के कलात्मक स्वरूप को आपने अपनी कलम से निखारा। पहले पेज की कलाकृति में बाईं तरफ कृपाल सिंह के हस्ताक्षर उनकी कृति के गवाह है। इस भाग में मोहन जोदड़ो की सील दिखाई गई है। वास्तव में भारतीय सभ्यता की पहचान में इस सील का बड़ा ही महत्व है। संविधान के पहले भाग की शुरुआत सिंधु घाटी सभ्यता के चर्चित प्रतीक जेबू बैल के चित्र से हुई है। अशोक के चिन्ह और संविधान की उद्देशिका के बाद पेज नंबर एक पर यह चित्र है। जेबू बैल को सबसे शक्तिशाली वंश माना जाता है। जेबू बैल को समूह के एक शक्तिशाली नेता के रूप में देखा जाता था, जो अपने लोगों की हिफाजत करता था। शायद यही कारण है कि हमारी सभ्यता की इस निशानी को शुरुआत में जगह दी गई है। संविधान के पन्नों में मौजूद श्रीराम, श्रीकृष्ण, नटराज और बुद्ध की तस्वीरें भी हैं। भारत के संविधान की मूल प्रति के भाग तीन मौलिक अधिकारों से जुड़े अध्याय के आरम्भ में एक स्केच है जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के रावण पर विजय प्राप्त कर पुष्पक विमान से अयोध्या वापसी का है। चौथे भाग नीति निर्देशक तत्व से जुड़े अध्याय के आरम्भ में कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए श्रीकृष्ण, काल की छाती पर पैर रखकर नृत्य करते नटराज और शांति का उपदेश देते भगवान बुद्ध भी संविधान की मूल प्रति पर मौजूद है। वैदिक यज्ञ संपन्न कराते ऋषि की यज्ञशाला और स्वर्ग से देवनदी गंगा का धरती पर अवतरण व शतदल कमल भी संविधान की मूल प्रति पर मौजूद है। स्वाधीन भारत के संविधान की मूल प्रति पर इन तस्वीरों को उकेरा गया है। फिर भी ये संविधान की मूल प्रति के अभिन्न अंग हैं। ये चित्र बताते हैं कि श्रीराम, श्रीकृष्ण, शिवाजी तथा गुरु गोविन्द सिंह को भारतीय संविधान में राष्ट्रीय विभूतियों के रूप में स्वीकार किया गया है और इनके व्यक्तित्वों को राष्ट्रीय विरासत तथा पूज्य भाव से माना है। वस्तुत: यह सभी चित्र भारतीय संस्कृति, धर्म तथा जन भावना के द्योतक हैं। इन चित्रों को भारतीय इतिहास की विस्तृत यात्रा का एक लघु दिग्दर्शन कह सकते हैं। ये चित्र हमारे राष्ट्रीय जीवन, हमारी विरासत तथा हमारी संस्कृति को चित्रित करते हैं। संविधान की आत्मा कही जाने वाली प्रस्तावना अमेरिकी संविधान से प्रेरित है।

भारत और यूएस दोनों ही देशों में संविधान की शुरुआत "WE, THE PEOPLE" से होती है। संविधान में प्रस्तावना के अतिरिक्त 22 भाग है। हर भाग की शुरुआत सभ्यता से रूबरू कराते चित्र से होती है।

भारत के संविधान की कैलीग्राफ्ड मूल प्रति में ये चित्र हैं- 1. मोहनजोदड़ो की सील 2. वैदिक काल के गुरुकुल आश्रम का दृश्य 3. लंका विजय के पश्चात राम, लक्ष्मण तथा सीता पुष्पक विमान से लौटते हुए 4. अर्जुन को गीता का उपदेश देते श्री कृष्ण 5. बुद्ध का जीवन 6. महावीर का जीवन 7 सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म का प्रचार 8. गुप्तकालीन कलाएं, जिसमें हनुमानजी का दृश्य है 9. विक्रमादित्य का दरबार 10. प्राचीन विश्वविद्यालय नालंदा 11. उड़ीसा की मूर्ति-स्थापत्य कला 12. नटराज की प्रतिमा 13. महाबलीपुरम की मूर्तियां- भागीरथ का तप और गंगा का अवतरण 14. मुगल स्थापत्य कला के साथ अकबर 15. शिवाजी एवं गुरु गोविन्द सिंह का चित्र 16. ब्रिटिश प्रतिरोध का उदय- महारानी लक्ष्मी बाई और टीपू सुल्तान 17. गांधीजी की दांडी यात्रा 18. नोआखली में बापू शांति दूत के रूप में 19. नेताजी सुभाषचन्द्र बोस तथा भारत के बाहर आजादी के लिए संघर्षरत देशभक्त20. हिमालय का दृश्य 21. रेगिस्तान का दृश्य और 22. हिन्द महासागर का दृश्य।

Principal Secretary, Industries Meets Eminent Pravasi Rajasthanis

Shri Rajesh Chaplot from Uganda and Shri Babu Lal Yadav from Ireland, two esteemed members of our group, recently had a courtesy meeting with Principal Secretary Industries, Shri Ajitabh Sharma. The meeting was a fruitful discussion on strengthening ties between the diaspora and Rajasthan, exploring avenues for collaboration in various sectors including culture, education, and business. Shri Ajitabh Sharma appreciated their enthusiasm and commitment towards fostering a stronger bond between Rajasthan and the global Rajasthani community. During the meeting, Shri Chaplot and Shri Yadav expressed their keen interest in supporting initiatives that promote Rajasthan's rich culture and heritage internationally. They also discussed ways to facilitate greater participation of the diaspora in Rajasthan's development programs and projects. Shri Ajitabh Sharma assured them of Rajasthan Foundation's full support in their endeavors and encouraged more members of the global Rajasthani community to engage actively with the state's initiatives for mutual growth and prosperity.

Commissioner, Rajasthan Foundation interacts with diaspora of various countries in Preview of the Rising Rajasthan Road Show and Diaspora Meet

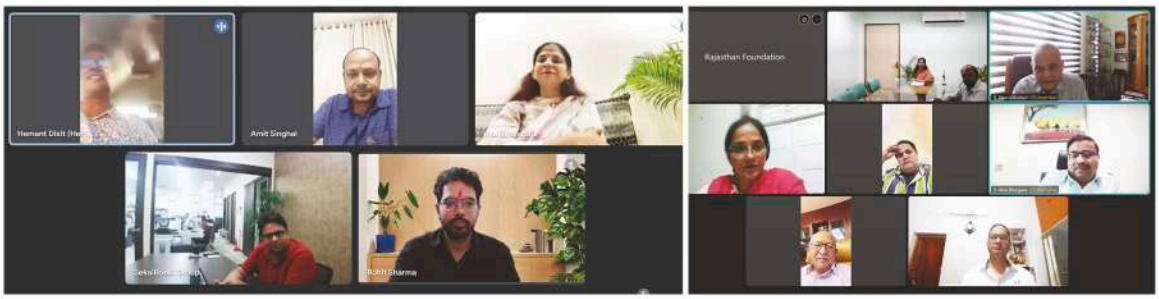

Commissioner, Rajasthan Foundation Dr. Manisha Arora engaged with Rajasthani Pravasis of various countries through several virtual conferences to discuss the upcoming Rising Rajasthan event and preparation of Diaspora meets in Tokyo, Dubai and Singapore. She emphasized the importance of their involvement in shaping the agenda and contributing to the success of the event. Furthermore, she extended a warm invitation for them to attend the NRR Conclave scheduled to take place on 10th December 2024, as part of Rising Rajasthan summit. The Commissioner highlighted the significance of the NRR Conclave as an opportunity for Rajasthani Pravasis to network, collaborate, and showcase their talents and expertise on a global platform. Overall, the meeting served as a platform to foster collaboration, engagement, and enthusiasm among the Rajasthani diaspora towards the upcoming events.

Rajasthan Foundation's Vibrant Social Media Campaigns: Uniting Global Rajasthani Pravasis

Rajasthan Foundation actively engages with Rajasthani Pravasis through an array of compelling social media campaigns, utilizing hashtags such as #MhariVirasat, and #RajasthaniRendezvous. Each hashtag served as a unifying force, connecting the global Rajasthani community and celebrating their shared heritage and pride.

Other hashtags like #MhariAstha spotlighted academic achievements while emphasizing the enduring cultural values cherished by the diaspora.

#LegendsofRajasthan and #MhariVirasat reverberated with tales of valor and heritage, encouraging Pravasis to contribute and perpetuate these narratives across borders.

The campaign #ODOPDivision had offered a platform for showcasing Rajasthan's unique products and talents, bolstering local craftsmanship and specialties.

In tandem, #RajasthaniPride and #GlobalRajasthaniDiwali encapsulated the spirit of festivity and cultural identity, celebrating Diwali and the vibrancy of Rajasthani culture.

#Rajasthani Food took the Pravasis on a culinary journey, inviting them to savor nostalgic flavors and share cherished recipes, fostering connections through the essence of Rajasthani cuisine.

Through these varied hashtags, the Rajasthan Foundation successfully cultivated a sense of belonging among Rajasthani Pravasis. It encouraged them to share their stories, memories, and expertise, thereby fostering a robust digital diaspora community.

These campaigns had sparked dialogues and collaborations that transcended geographical boundaries, amplifying the voices and experiences of Rajasthani Pravasis globally.

Rajasthan Foundation's proactive use of social media campaigns plays a pivotal role in nurturing a strong digital community, fostering a sense of togetherness while keeping the flame of Rajasthan's cultural heritage burning brightly across continents.

We endeavor to keep up this connection with better and bigger campaigns in the coming times!

राजस्थान के प्रसिद्ध सांस्कृतिक महोत्सव

बूंदी महोत्सव

बूंदी महोत्सव कार्तिक माह (अक्टूबर-नवंबर) में आयोजित किया जाता है। यह फेस्टिवल पारंपरिक कला, संस्कृति और शिल्प कौशल का अदभूत मिश्रण है। इस बार तीन दिवसीय बूंदी महोत्सव 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक मनाया गया। महोत्सव में शोभा यात्रा, कला और शिल्प मेला, पारंपरिक स्थानीय खेल, सांस्कृतिक प्रदर्शनी, शास्त्रीय संगीत और नृत्य कार्यक्रम, पगड़ी बांध प्रतियोगिता, संगीत बैंड प्रतियोगिता, युद्ध के खेल और शानदार आतिशबाजी आदि का आयोजन किया गया। लोक कलाकारों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों ने घरेलू और विदेशी यात्रियों को आकर्षित किया। कार्तिक पूर्णिमा की रात आकर्षक रंगीन वेशभूषा में महिलाएं और पुरुष द्वारा चंबल नदी के तट पर दीप जलाने से वहां की स्वर्णिम आभा ने सभी देशी विदेशी पर्यटकों का मन मोह लिया।

चंद्रभागा महोत्सव

झालावाड़ के झालरापाटन में हर साल कार्तिक माह में चंद्रभागा महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस बार 26 से 28 नवंबर के बीच तीन दिवसीय चंद्रभागा महोत्सव मनाया गया। ये मेला चंद्रभागा नदी के सम्मान में मनाया जाता है, जिसमें कार्तिक मास की पूर्णिमा को नदी में स्नान करना उत्तम माना गया है। इस दिन दूर दूर से श्रद्धालु आकर नदी में डुबकी लगाते हैं। इस महोत्सव की खासियत पशु मेला भी है जहां पशु पालन विभाग की देख रेख में कई अलग अलग पशु प्रदर्शित हुए। सबसे स्वस्थ और सुंदर पशु को इनाम भी दिया गया। खाने पीने के शौकीनों के लिये तो ये फेस्टिवल एक जन्नत से कम नहीं था। मेले में हर तरह के स्थानीय और विदेशी पकवानों से रुबरु होने का मौका मिला। रंग बिरंगी शोभा यात्रा और चंद्रभागा नदी के तट पर महाआरती एवं दीपदान ने आसपास के इलाकों को सोने सा दमका दिया जबकि भव्य आतिशबाजी ने मेले की भव्यता को चार चांद लगा दिए। राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम लोक रंग, साइकल रैली, हॉट एयर बलून, पशु प्रतियोगिताएं, झालावाड़ किचन क्वीन प्रतियोगिता, पतंग उड़ाने की प्रतियोगिता, एलईडी काइट आदि ने मंत्र मुग्ध कर दिया। आयोजन की अंतिम रात को बॉलीवुड सिंगर सेलिब्रेटी सलमान अली ने अपनी सुरमयी आवाज से शाम को रंगीन बना दिया।

मत्स्य उत्सव

प्रत्येक वर्ष के नवंबर माह के आखिरी सप्ताह में अलवर जिले में आयोजित किया जाने वाला मत्स्य उत्सव प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इस बार यह कार्यक्रम 26 नवंबर को मनाया गया। उत्सव में महल चौक स्थित मूसी महारानी की छतरी पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लोक कलाकारों द्वारा भपंग, रावण हत्था, मयूर नृत्य, चरी नृत्य, नूरदीन मेवाती द्वारा भोर गीत, मयूर नृत्य तथा रिम भवाई की शानदार प्रस्तुति दी गयी। रूमाल झपट्टा, तीरंदाजी, रस्साकशी जैसे परंपरागत खेल और शहनाई वंदन के साथ अलवर दर्शन जैसी मौज मस्ती गतिविधियों ने इस आयोजन को अधिक मनोरंजक बना दिया। ट्रेकिंग, पैरासेलिंग और हॉट एयर बैलून भी मत्स्य उत्सव के प्रमुख आकर्षण रहे।

कुंभलगढ़ महोत्सव

कुम्भलगढ़ महोत्सव तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव है जो हर साल नवंबर या दिसंबर के सर्दियों के महीनों में मनाया जाता है। राजस्थान की संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने वाला कुंभलगढ़ फेस्ट इस साल एक नवंबर से तीन नवंबर तक मनाया गया। इस दौरान कुंभलगढ़ दुर्ग की सजावट ऐसी थी कि यह गढ़ दुधिया रोशनी में नहाया हुआ हो। रंगीन पोशाकों में लोक कलाकारों द्वारा लाइट एंड साउंड शो, लोक नृत्य और संगीत ने रात की आभा को सजाने का काम किया। लोक कलाकारों ने सूफी नृत्य, कालबेलिया, भवई, चरी, मोर आदि परंपरागत नृत्यों की प्रस्तुति देकर प्रदेश की कला एवं संस्कृति को एक बार फिर से जीवंत किया। सुबह के समय पगड़ी बांध प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, कठपुतली शो, लोक संगीत का आयोजन हुआ जिसमें देशी के साथ विदेशी पर्यटकों ने भी बड़े चाव से हिस्सा लिया।

स्वादिष्ट एवं चटकारेदार राजस्थानी व्यंजन

राजस्थान आपणा शाही अंदाज रै सागे सागे आपणा स्वादिष्ट व्यंजना रै तांय भी पहचान्यो जाए है। अठे पधारबा आला सग्ला देसी अर विदेशी पावणा इण व्यंजना रो स्वाद भूल्या भी कोणी भूल पावे है। अठे रा घणा पकवान तो देस अर विदेश रै मांय खूब पसंद करया जावे है। कई कई मिठाई तो असी है जो घणा दिना तक बिगड़े ही कोणी बल्कि बांको स्वाद और भी चौखो हो जाए है। यां व्यंजना सूं राजस्थान री पहचाण अलग सूं निखर अर आवै है। आओ जाणा। राजस्थान रा इण व्यंजना रै बारां मै।

प्रदेस रो शाही भोज दाल बाटी अर चूरमो

दाल बाटी अर चूरमो राजस्थान रो जान्यो मान्यो व्यंजन है। ई व्यंजन रै तांय कहवे है कि में मेवाड़ राज रा संस्थापक बप्पा रावल रै राज मांय इण री उत्पत्ति हुई ही। बी समय बाटी नै युद्ध रै मांय खाया जाबा आला व्यंजन रै तौर पै देख्यो जावे हो। बाटी पकेड़ा आटा रो गोलौ होवे है जिण नै घी कै सागे परोस्यो जावे है। चूरमो पिसेड़ो मीठो अनाज होवे है। चूरमा नैबाटी अर दाल कै सागे परोस्यो जावे है। मिरची रा टिपोरा सागे मिल अर दाल बाटी अर चूरमो एक पूरी डिश बण जावे है।

प्रदेश रो विशेष पकवान गट्टा री खिचड़ी

गट्टा री खिचड़ी स्वाद सूं भरियो पकवान है जो सेहतमंद अर स्वादिष्ट है। ई व्यंजन नै घणा सारा मसाला अर चावल कै सागे बणायो जावे है। थोड़ी सब्जी मिला अर इण रा स्वाद नै और बढ़ायो जावै है। ई पकवान नै गरम गरम या ठंडो कर अर रायता या कढ़ी के सागै परोस्यो जावै है। आजकाल घणा रेस्टोरेंट रै मांय या डिश घणी डिमांड मै है।

मीठा पकवानां री सरताज जयपुर री मावा कचौरी

यो जयपुर रो एक खास मीठो पकवान है। इण री आदत एक बार लाग जाए तो भगाया भी कोणी भागै। ई डिश री खास बात है कै इण रै मांय दाल मसाला की जगह मावो भरयो जावे है। ई कचौरी नै देसी घी रै मांय पका अर थोड़ी देर चासनी में रख्यो जावे है। ई कचौरी रा लोगबाग इत्ता दीवाना है कि दूसरा शहर सूं भी लोग घणी सारी कचौरी पैक करा अर साथ ले कर जावे है। या कचौरी कई दिनां तक बिगड़े भी कोणी।

Inflight Heroics: Doctors' Quick Action Saves a Life

On a routine Air India flight from India to New York, Dr. Pranav Sharma and his wife Dr. Nikita Tripathi found themselves at the center of an extraordinary event. When a fellow passenger suffered a sudden cardiac arrest, Dr. Sharma and his wife stepped in with remarkable courage, turning an ordinary journey into a life-saving mission.

Responding swiftly, Dr. Sharma, an experienced Intensivist, initiated CPR, skillfully reviving the distressed passenger. In the confined space of the plane, his quick thinking and expertise were nothing short of heroic. Establishing an IV and starting an Epinephrine drip, he managed the crisis even as the flight made an unplanned stop in Iceland for an emergency landing.

Despite the challenges, Dr. Sharma ensured a seamless transition, handing over the patient to waiting Emergency Medical Technicians (EMTs). The impromptu medical evacuation showcased the best of medical expertise and human compassion.

This in-flight saga is proof of the impact that a single individual, armed with skill and compassion, can have in the face of adversity. The couple's heroics high above the clouds reminds us that heroes can emerge when we least expect them, reaffirming the essence of the medical profession – preserving life, no matter the circumstances. For this, he and his wife also received a letter of appreciation from Air India. The letter commends the couple's exemplary response during a medical emergency on board, where their swift actions played a pivotal role in saving a passenger's life. These actions have truly made Rajasthanis across the globe proud.

Camp Organized By DoRI

डॉक्टर्स ऑफ़ राजस्थान इंटरनेशनल (डोरी) फाउण्डेशन विश्व भर में फैले हुए प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर्स का समूह है जिसका मुख्य उद्देश्य राजस्थान में स्वास्थ्य एवं मेडिकल एजुकेशन में सुधार लाना है। डोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ जयवीर सिंह राठौड़ (न्यूरोफिजिशियन, अमेरिका) ने मई 2023 में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडियन ओरिजिन (आपी) के साथ राजस्थान के गांवों में हेल्थ टेस्ट करवाने के लिए एमओयू साइन किया था। इसमें डोरी के एग्जीक्यूटिव समिति मेंबर्स डॉ ब्रह्मा शर्मा, डॉ रणवीर सिंह राठौड़, डॉ राजीव परिन्जा तथा आपी की तत्कालीन प्रेजीडेंट डॉ अनुपमा गोतीमुकला, ग्लोबल टेलीक्लीनिक्स डायरेक्टर डॉ मूर्ति गोकुला आदि मौजूद थे।

आपी के पूर्व प्रेजीडेंट डॉ. रवि कोल्ली का कहना था कि हालांकि भारत में लाइफ एक्सपेक्टेंसी जो 1960 में 41 साल थी और 1990 में 58 साल थी, अब बढ़कर 71 साल तक पहुंच गई है। लेकिन आज भी ज्यादातर बिमारियां सही समय पर जांच न होने के कारण पकड़ में नहीं आती और उनका इलाज करना जटिल हो जाता है। इसलिए नॉन कम्यूनिकेबल डिजीज की जांच के लिए इस परियोजना में भारत की आजादी के अमृतवर्ष के तहत भारत के करीब 75 गांवों में फ्री स्क्रीनिंग की पहल की गई है।

डोरी फाउण्डेशन के अध्यक्ष डॉ जयवीर सिंह राठौड़ ने बताया की राजस्थान में कुल 15 गाँवों में प्रिवेंटिव हेल्थ स्क्रीनिंग की जा रही है, जिसमे सम्पूर्ण फिजिकल एग्जाम, ब्लड टेस्ट और मल्टीविटामिन्स का वितरण किया जा रहा है । फेज 1 के तहत डायबिटीज, किडनी फंक्शन, एनीमिया, मोटापा आदि की जांच के लिए ब्लड काउंट ,एचबी A1C, लिपिड प्रोफाइल, क्रिएटिनिन, पल्स ऑक्सीमीटरी, हाई ब्लड प्रेशर की स्क्रीनिंग तथा धूम्रपान निषेध पर सलाह भी दी जा रही है। इस परियोजना में अगिलस डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड (पूर्व में SRL लिमिटेड, फोर्टिस हेल्थकेयर सब्सिडियरी) सहयोगी है। राजस्थान से पहले आठ अन्य राज्य तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में 8000 से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। गौरतलब है कि पिछले साल 2 अक्टूबर को आपी ने ग्लोबल टेलीक्लीनिक्स के साथ ग्रामीण इलाकों में डिजिटल इंटीग्रेटिड प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट प्रोग्राम (दीपम) की शुरुआत की थी जिसकी मदद से डेटा इकट्ठा किया जा सकेगा और इन बिमारियों की पहचान और इलाज के लिए सही वक्त पर कदम उठाये जा सकेंगे । डोरी के प्रेसीडेंट डॉ जयवीर सिंह राठौड़ ने बताया वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन (WHO) के साथ भारतवर्ष के लिए एक साँझा प्रिवेंटिव हेल्थ केयर रूपरेखा जारी की जाएगी ।

डॉ राठौड़ के अनुसार राजस्थान फाउण्डेशन के सहयोग से दिसंबर तक इस पहल के पहले चरण में राजस्थान के 15 गांवों को अडॉप्ट किया जा रहा है। ये ज्यादातर वे गांव हैं जिनसे प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर्स तथा बिजनेसमैन ताल्लुक रखते हैं। डोरी फाउण्डेशन ने इस परियोजना की शुरुआत नवंबर 16, 2023 को मकराना तहसील के नंगवाड़ा गाँव से की है। उसके पश्चात नावद, लोरोली, मायापुर, जोबनेर, बाला जोधपुर, सूरजगढ़, जैतपुरा चोमू,संतोषपुरा,फतेहपुर शेखावाटी, सांभर आदि हैं।

Rajasthan to host Global Investment Summit in December

RISING™
RAJASTHAN
9-10-11 DEC 2024 • JAIPUR

REPLETE • RESPONSIBLE • READY

The Rajasthan government will host an investment summit in December this year to attract investors in the state.

The 'Rising Rajasthan' Investment Summit will be held in Jaipur from December 9 to 11.

The summit is being organized by the Government of Rajasthan with the support of the Industry and Commerce Department, Bureau of Investment Promotion (BIP), RIICO, Rajasthan Foundation and Confederation of Indian Industry (CII).

The 3-day summit will bring together policy makers, corporate leaders, academia, think-tanks as well as eminent Non-Resident Rajasthan is from across the globe to explore business opportunities and forge partnerships for the inclusive development of the State.

To promote Rising Rajasthan Summit, to meet prospective investors as also to sign MoUs with interested investors and to engage with the Rajasthani Diaspora, the high-level delegation of Government of Rajasthan, led by Hon'ble Chief Minister, Hon'bl Minister for Industry & Commerce will be visiting different countries for road shows and various meetings.

A special "Pravasi Rajasthani Conclave" will be organized by Rajasthan Foundation during the Rising Rajasthan Summit on 10th December, 2024. The Pravasi Rajasthani Conclave aims to celebrate and strengthen the enduring bonds between the State and our Pravasi Rajasthani community worldwide.

The Conclave aims to reaffirm the commitment not just to economic development through the Rising Rajasthan Investment Summit but also to strengthening the emotional and cultural ties with our Pravasi family globally.

Scan for Rajasthan Investment Promotion Scheme 2022

https://rising.rajasthan.gov.in/downloads

Scan for MOU-Rajnivesh

https://rajnivesh.rajasthan.gov.in/MOU/ADDMOU

Scan for Summit Registration I Rising Rajasthan

https://rising.rajasthan.gov.in/summit-registration

We are making constant efforts to
uphold the traditions and bring our people together

Rajasthan Foundation
Connecting Non-Resident Rajasthanis

We Welcome Your Suggestions and Feedback

Yojana Bhawan, Yudhishthir Marg, C-Scheme, Jaipur-302005 Rajasthan (INDIA)

Phone : +91-141-2229111, 2222671

Email : rajfound-rj@nic.in, rajfoundation@rajasthan.gov.in, Website : www.foundation.rajasthan.gov.in

rajfound_rj RajasthanFoundationRF RajFound

Scan me